RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 42 अंक 25 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 23 नवम्बर 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया



दुर्गा सिंह जंगपांगी से बातचीज

तिब्बत के पुराने दिन जब वह आजाद था.....

- बूढ़े दादा 'छम्बल' तिब्बत से आए थे, तब आने-जाने की स्वच्छन्दता थी
- बचपन में एक बार सेठों के साथ तिब्बत यात्रा की, जो यादों में है
- व्यापार टूटने के बाद लोग बाहर चले गये और ठहर गया कारोबार

कार्यालय प्रतिनिधि

अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तमाम देशों की सीमाओं को लेकर चर्चाएं और उलझन देखने को मिलती हैं। अपनी सीमा विस्तार के लिये कई देशों की लड़ाई हमेशा से बनी हुई है। ऐसे में भारतवर्ष की सीमाओं में भी कुछ न कुछ होता रहा है, जो इतिहास में दर्ज है। उसमें यह भी पता चलता है कि हिमालय राज्यों में कितना सामंजस्य और रिश्ता रहा है। उत्तराखण्ड के सीमान्त में सीमा क्षेत्र की बात करें तो पता चलता है कि अपने में मगन हिमालय वासियों को समय के साथ बदलना पड़ा है। सीमा सुरक्षा व अन्य संसाधनों की बात को लेकर तमाम तरह की व्यवस्थाएं सुदृढ़ हुई हैं लेकिन इतिहास बन चुकी बातों का क्या? वह तो हमारे बुजुर्गों की यादों में बसी हैं, जिन्हें सुनकर, समझकर हमें सहेजना चाहिये। ऐसे ही एक बुजुर्ग 92 वर्षीय श्रीमान दुर्गा सिंह जंगपांगी के साथ बातचीत में कुछ पड़ताल की गई है। मल्ला दुम्मर, मुनस्यारी में रहने वाले दुर्गासिंह जी का जन्म पिता किशन सिंह-माता श्रीमती मालती देवी (टोलिया परिवार से)के घर जोहार घाटी के ग्राम बुर्फू में हुआ। इनके दादा माधो सिंह थे, जिनके चार पुत्र- किशन सिंह, कुन्जर सिंह, विशन सिंह, मान सिंह हुए। इसकी अगली पीढ़ी में किशन सिंह जी के त्रिलोक सिंह, दुर्गा सिंह, खड़क सिंह हुए। इससे आगे पीढ़ी में दुर्गा सिंह जंगपांगी के पुत्र भुवन सिंह (इनके पुत्र-पुत्री- गौरव, तनु), प्रतिमन सिंह (पुत्र-पुत्री- हर्षित, रिमझिम) हैं।

श्रीमान दुर्गा सिंह कहते हैं भारत-तिब्बत व्यापार टूटने के बाद लोग बाहर चले गये और पुराना कारोबार ठहर गया। दूरस्थ ग्रामों में गिने-चुने लोग रहते हैं। माइग्रेशन की परम्परा में जो जातियां जहाँ गई, वहीं की होकर रह गई। पुरानी यादों में लौटते हुए वह बताते हैं कि दादा/बूबू जी माधो सिंह के पिता (बूढ़े दादा) का नाम 'छम्मल' था, जो तिब्बत से ही आए थे। यह नाम भी तिब्बती है। सन् 1962 से पहले तक इस सीमान्त क्षेत्र से तिब्बत आने-जाने की स्वच्छन्दता थी। पुराने बुजुर्ग तिब्बती भाषा भी जानते थे, धीरे-धीरे उसे भुला दिया गया।

दुर्गा सिंह जी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि हिमालय की संस्कृति में यात्राएं और व्यापार मुख्य था। प्रकृति से जुड़े लोग अपने भरण-पोषण के लिये मैदान से उपयोगी सामान लेकर तिब्बत की ओर जाते थे और तिब्बत से जड़ीबूटी, सुहागा, ऊन इत्यादि सामग्री लेकर वापस आते थे। आवत-जावत के इस सिलसिले में लोगों के बीच विभेद सा नहीं था। आजाद तिब्बत में जिस संस्कृति के दर्शन होते थे वह भेदभाव नहीं बल्कि प्रकृति पूजा के रहे हैं। यह पूछने पर कि क्या आपको तिब्बत जाने का अवसर मिला? दुर्गा सिंह जंगपांगी बताते हैं कि कम उम्र में वह व्यापारियों के साथ एक बार यात्रा में गये थे। नादानी की उम्र में सेठों के साथ तिब्बत जाते समय इतना भर याद है कि तीन धूरा (उंटा धूरा, जयन्ती, कंगड़ी-बिंगड़ी) होते फिर मखमल बिछा सा बुग्याल दिखाई दिया। वहीं हमारा बाजार था।

यूट्यूब चैनल में विस्तार से बातचीज- Pighaltahimalay

अपने बचपन की यादों को बताते हुए दुर्गा सिंह जी कहते हैं- मौसम के अनुसार सभी ग्राम वालों के स्थान निश्चित थे। हम लोग बुर्फू, दुम्मर और बमौरी (नाचनी के पास) आना-जाना करते थे। इसी अनुसार बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था तय थी। बताते हैं मल्ला दुम्मर में पहले जब हरि प्रदर्शनी होती थी, उसमें घोड़े, बकरी, झुब्बू जानवरों को लाया जाता था। तब सारे परिवार इधर ही थे। तिब्बत व्यापार बन्द होने के बाद जब लोग दूसरी जगह चले गये प्रदर्शनी की वह यादें भर हैं। खुशी होती है नियमित रूप से निश्चित समय पर पर यह आयोजन किया जाता है।

1953 में फौज में भर्ती हुए दुर्गा सिंह जी 1971 में सेवानिवृत्त होकर मल्ला दुम्मर में रह रहे हैं। जीवन की इस पूरी यात्रा में जितनी भागमभाग उनकी रही है, वह सब जोहार घाटी, तिब्बत व्यापार के इतिहास के पुराने यादगार पन्ने हैं।

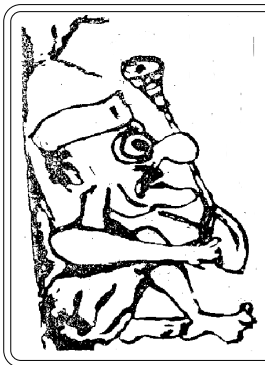
Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

अपनी राजनीति भर के लिये मेलों का इस्तेमाल दुर्भाग्यपूर्ण

उत्तराखण्ड का ऐतिहासिक व्यापारिक जौलजीबी मेला इस बार जिस प्रकार से मारधाड़, नारेबाजी, गाली-गलौच, तोड़फोड़, हंगामे के साथ हुआ वह बहुत ही चिन्ता की बात है। पिछले कुछ वर्षों से देखने में आ रहा है कि पहले तो मेलों का महोत्सव नाम कर दिया गया है, ऊपर से जिसका दबदबा रहता है वह ऐसे आयोजनों को अपने लाभ के लिये भुनाने लगते हैं। प्रदेश में तमाम तरह के रंग-बिरंगे आयोजनों में यह सब हो रहा है लेकिन कुछ मेलों की गणना ऐतिहासिक-पौराणिक-व्यापारिक रूप में वर्षों से आज तक बनी हुई है। इन मेलों को भी अपनी राजनीति भर के लिये इस्तेमाल करने से इनका स्वरूप बदलता जा रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर होने वाले अन्तर्राष्ट्रीय मेले का आयोजन पिछले कुछ वर्षों से नेताओं के घेरे में ज्यादा आने लगा है और यहाँ होने वाले सांस्कृतिक उत्सव के स्वरूप में भी बन्दरबांट सी दिखाई देती है जबकि स्थानीय स्तर पर परम्परागत रूप से जुटने वाले हाथ मलते रह जाते हैं। काली गोरी नदियों के संगम पर होने वाले इस व्यापारिक मेले को भी अपने लाभ के लिये भुनाने का खेल सब समझ रहे हैं लेकिन इस बार तो सारे रिकार्ड टूट चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्थानीय विधायक हरीश धामी का एक ही दिन इस मेले पर होने मतलब हंगामा तय माना जा रहा था, जिस कारण भारी पुलिस बल तैयार था। सीएम ने उद्घाटन करते हुए घोषणाएं की। उनके नारे भी लगे और खूब स्वागत भी हुआ। अध्यक्षता कर रहे स्थानीय विधायक हरीश धामी को मंच पर बोलना था और यह भी तय था वह जोश में काफी कुछ कहेंगे। ऐसे में सीएम उद्घाटन कर चल गये। विधायक ने आरोप लगाया कि उनकी बात सुने बिना सीएम का जाना इस क्षेत्र का घोर अपमान है और मंच पर ही तोड़फोड़ होने लगी। कार्यकर्ताओं में टकराव होने लगा। मेले में हुए हंगामे का असर भाजपा-कांग्रेस बनकर दिखाई दे रहा है। ऐतिहासिक मेले का यह हाल दुर्भाग्यपूर्ण है।



फसक

दाज्यू, ताल ठोकने में भी मजा ही आने वाला ठैरा

जुतियाने के बाद भी रगड़घूस करने पर भरोसा होता है बल

दाज्यू, विधानसभा चुनाव के लिये रामनगर सीट पर विरजू मयाल ने ताल ठोक दी है। उसका कहना है- 'जिनकी पहचान नहीं होती है वह टिकट मांगते हैं। मैं टिकट नहीं मांगता, चुनाव लड़ना है। यदि भाजपा चाहेगी तो सीएम की कुर्सी के लिये मैं तैयार हूं।' दाज्यू, लगातार खड़बड़ाट करने वाले बिरजू का कुछ पता नहीं कब क्या करेगा? पूर्व विधायक चैम्पिय ने देशभर के नेताओं को ललकार दिया है बल। उमेश कुमार भी ताव में है। अपना मग्गन भी टिकट के लिये चक्कर लगाने लगा है। दाज्यू, ताल ठोकने में भी मजा आने ही वाला ठैरा। चुनाव तो बात की बाद है, पहले पोस्टर चिपका लेने ठैरे, कहीं सौदा पट गया तो कौन सी बुराई है। प्रसार भारती के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने सीएम धामी ज्यू से भेंट कर उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति को राष्ट्रीय पहचान दिलाने पर चर्चा की है बल।

दाज्यू, जमाने में खूब जूतमपैजार हो रही है। कुर्सी का हत्था पकड़ कर सहारे से खड़े होने वाले भी रड़बड़ कर हरे हैं। जुतियाने के बाद भी रगड़घूस करने पर भरोसा होता है बल। बबलीदेवी ने पूरे स्टाफ को परेशान करने के बाद बच्चों को मीठी सुपारी खिलाना शुरू कर दिया था। बच्चों को क्या पता कि बबलीदेवी गाजर के बहाने कड़वा करेला खिला रही है। युवा नेता लक्खड़ सिंह तिमूर का कांटेदार लट्ठ लेकर आ गया, तब जाकर बबली के पेचिस ठीक हुए। दाज्यू, मोनू शमशान घाट की राख मलकर शान्त हो चुका है। कह रहा था- 'चिता में जलना ही पड़ेगा।' द्वाराहाट में साहब के खिलाफ लडभैंसा जाँच है बल। कपकोट विधान सभा में खेल के सामान को लेकर फफोले पड़ चुके हैं बल। जलन के मारे दहाड़ मची हुई है। विधायक सुरेश गढ़िया खेल की किट खरीद और वितरण को लेकर लगाए जा रहे आरोपों पर पलटवार कर रहे हैं। दाज्यू, हल्द्वानी के एमबीपीजी कालेज में छात्रसंघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से अध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे धीरज बिष्ट सहित चार पर नाबालिग से दुष्कर्म करने का आरोप है और अब पुलिस मामले में जांच कर रही है। दाज्यू छात्र संघ चुनाव के समय भी बहुत हल्ला मचा था कि अखिल भारती जिसे टिकट दे रही है वह किसी गैंग के हैं और बागी प्रत्याशी आर्यन बेलवाल बम्पर जीत गया था। क्या जो कहें? जुतियाने के बाद रगड़घूस होने वाली ठैरी। दाज्यू, टनकपुर वक्फ कब्रिस्तान की सात सदस्यीय कमेटी भंग कर नई कमेटी गठित करने की मांग हो रही है। दाज्यू, जौलजीबी मेले की घमाघम सबने देख ही ली है। जिधर देखो उधर फोड़ाफोड़ मची हुई है। -तुम्हारा भुली झकरुवा

चेहरे रील की तरह बदलत रहे लेकिन राज्य को क्या मिला? कैंची की तरह जुबान चलाने और विवादों से घिरे रहने वाले जनप्रतिनिधि

- प्रदेश के मुखियाओं की कथनी-करनी को लेकर रिकार्ड उछाले जा रहे हैं
- किसका कनेक्शन किससे था यह व्यक्तिगत मामला है, विकास के मुद्दों पर बात हो
- उर्मिला सनावर की सनसनी और जैनी का जिन्न हर दिन हरा होता जा रहा है
- टिकट मिले या न मिले चुनाव लड़ने का ऐलान हो चुका है : प्रणव चैम्पियन
- जन निर्माण पार्टी का गठन हो चुका है उसी से चुनाव लड़ूंगा : उमेश कुमार
- टिकट बंटवारे में उथल-पुथल के संकेत, हल्द्वानी सीट पर सुमित खामोश



उत्तराखण्ड राज्य बनने के बाद से इसको क्या मिला है सिर्फ नेताओं की फसल के अलावा? और प्रदेश के मुखियाओं की कथनी-करनी किस प्रकार की रही है, उन सारी बातों के रिकार्ड उछाले जा रहे हैं। इनके राजनीतिक फण्डे और अपनी निजी रुचि किस प्रकार की रही है और इनके स्रोत क्या रहे हैं, इस तरह के सवालों को लेकर आश्चर्यजनक सवाल उठाते हुए आम जनता जानना चाहती है कि आखिर यह सब हो क्या रहा है? पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत के बयान भी निराले हैं। वह अब कह रहे हैं- 2002 में वह मुख्यमंत्री बनते तो प्रदेश की दिशा व दशा कुछ और होती।

किस नेता का कनेक्शन किसे था यह व्यक्तिगत मामला है लेकिन जन प्रतिनिधि होने के कारण उनकी जिम्मेदारी हो जाती है कि वह संयमित रहें। एक-दूसरे की पोल खोलने का दावा करने वाले यह भूल रहे हैं कि वह पहले चुप क्यों रहे। अब ठीक चुनाव के समय और अपनी ढकने के लिये तीर चला रहे हैं। बात विकास के मुद्दों पर अच्छी लगता है लेकिन प्रदेश में कई ऐसी बातों पर जाल फैलाया जा रहा है ताकि सबका ध्यान दूसरी बातों पर लगा रहे।

प्रदेश के सबसे गम्भीर मामले अंकिता हत्याकाण्ड को लेकर चिंगारी कम नहीं हुई है किन्तु पार्टी नेता इसे अपने तरीके से समझा रहे हैं। इस बीच मामले में सर्वाधिक चर्चित उर्मिला सनावर की सनसनी जारी है। नार्को टेस्ट को लेकर अपनी सहमतिज देने कोर्ट पहुंची उर्मिला ने कई चौंकाने वाले खुलासे किये हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि नार्को टेस्ट से करीब 12 घण्टे पहले उन्हें सहारनपुर से हिरासत में लिया गया था। उनका दावा है कि उन्हें 25 लाख रुपये और स्कॉर्पियो गाड़ी का लालच दिया गया। उन्होंने उत्तराखण्ड पुलिस की कार्रवाई पर गम्भीर सवाल खड़े किये हैं। सुरेश राठौर से जुड़े मामले में अब तक न्याय न मिलने और अंकिता को न्याय दिलाने की बात कही।

उधर जैनी का जिन्न हर दिन हरा होता जा रहा है। पूर्व कबीना मंत्री और अपनी ताकत का गुमान करने वाले हरक सिंह रावत पर दुष्कर्म का आरोप लगाने वाली असम की महिला जैनी हरक सिंह के पलटवार को झूठ बताते हुए कहा है कि अपनी सत्ताा और ताकत का इस्तेमाल करते हुए उनपर अत्याचार हुए हैं। इसलिये उनका नार्को टेस्ट हो। पूरे मामले में हरक सिंह तेज तर्रार बने हुए हैं लेकिन जितनी तेजी से वह चुनाव तैयारी में लगे थे अब लड़खड़ाते दिखाई दे रहे हैं।

इस बीच भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत ने कहा कि जैनी हरक मुद्दा निजी है, इसे तूल देना ठीक नहीं। त्रिवेन्द्र रावत के बयान के बाद भाजपा में फिर से लहर उठी है क्योंकि त्रिवेन्द्र जिस प्रकार से शुरू से ही मोर्चा सम्भाले हुए हैं वह एक धड़े के रूप में देखा जा रहा है। उनके सम्पर्क में तमाम नेता भी हैं। यह सारी बातें और जोड़ भी चुनाव के दिनों के लिये देखा जा रहा है।

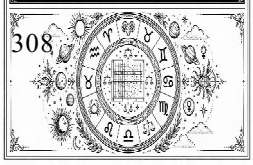
विधानसभा चुनाव को लेकर दबंग और कारोबारी नेता हर तरह की चाल चल रहे हैं और चौंकाने वाली बातें भी देखने को मिल रही हैं। हल्द्वानी की वीआईपी माने जाने वाली सीट पर स्व. इन्दिरा हृदयेश के सुपुत्र सुमित हृदयेश जितनी ज्यादा ताकत दिखान लगे थे अब उतना ही खामोश हो चुके हैं। कुछ समय पूर्व उन्होंने प्रेस के सामने अपने को खतरा बताते हुए आंसू तक बहाये और कहा था कि उनके परिवार तक को खतरा है। ऐसे में चर्चा है कि कोई तो बात है जिस कारण विधायक को खामोश होना पड़ रहा है। इस सीट पर टिकट बंटवारे में उथल-पुथल के संकेत हैं। कालाढूंगी और भीमताल सीट भी इसी तरह उलझी हुई है।

खानपुर के पूर्व विधायक और अपनी दबंगता से चर्चा में रहने वाले प्रणव चैम्पियन के बड़बोल चर्चा में हैं। उन्होंने देशभर के नेताओं को चुनौती देती हुए अपने को विद्वान और हर बात सिद्ध कहा है। चैम्पियन ने ऐलान किया है कि उन्हें पार्टी टिकट मिले या न मिले चुनाव लड़ने का ऐलान हो चुका है। वह लक्सर और खानपुर सीट से ताल ठोकेंगे। दूसरी ओर विधायक उमेश कुमार ने घोषणा की है कि वह जन निर्माण पार्टी का गठन कर चुके हैं, उसी के बैनर पर चुनाव लड़ेंगे।

पूर्व शिक्षा मंत्री और बाजपुर के विधायक अरविन्द पाण्डे विस्फोटक बयान बाजी के सहारे अपने लिये रास्ता तलाश रहे हैं। किसी भी मुद्दे को लेकर कभी वह अपनी ही पार्टी भाजपा की किरकिरी करते हैं तो कभी कांग्रेस के नेताओं पर हमलावर बयान दे रहे हैं। वह किसी भी सूरत में और किसी भी पार्टी से टिकट के लिये मचल से रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ज्योतिष की बातें



25 नवम्बर 2026 को राहु स्पष्टमान से मित्रराशि मकर में प्रवेश करेगा। अत: अत्यन्त बली रहेगा। राहु जब-जब किसी अन्य ग्रह से युति करेगा तब-तब वह उस ग्रह के फल भी प्रदान करेगा अन्यथा अकेला रहने पर अपने ही फल स्वतन्त्र रूप से जातकों को प्रदान करता है। फलदीपिका के अनुसार त्रिषडाय भावों में राहु अत्यन्त शुभफल प्रदान करता है। अत: अगले डेढ़ वर्ष मीन, सिंह व वृश्चिक राशि के जातकों को राहु अत्यन्त शुभफल प्रदान करेगा। अन्य सभी राशियों को यत्किंचित् कष्ट की अनुभूति होगी। राश्यनुसार राहु का गोचर फल निम्नवत् है। मकर- स्वास्थ्य में गिरावट, कुम्भ- स्थान परिवर्तन, मीन- धन लाभ, मेष- व्यवसाय में कष्ट, वृषभ- भाग्य में उतार चढ़ाव, मिथुन- मृत्युतुल्य कष्ट, कर्क- जीवन साथी से मतभेद, सिंह- शत्रु विजय, कन्या- सन्तान कष्ट, तुला- मानसिक कष्ट, वृश्चिक- पराक्रम वृद्धि, धनु- धन हानि।

बैकुण्ठ चतुर्दशी- कार्तिक शुक्लपक्ष चतुर्दशी अरुणोदय व्यापिनी तिथि में बैकुण्ठ चतुर्दशी का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार सोमवार 23 नवम्बर 2026 को रात्रि में भगवान विष्णु का पूजन करने के बाद भगवान शंकर का विधिवत् पूजन किया जाएगा।

देव दीपावली- कार्तिक शुक्लपक्ष पूर्णिमा प्रदोष व्यापिनी तिथि में देव दीपावली का पर्व मनाया जाता है। तदनुसार मंगलवार 24 नवम्बर 2026 को देव दीपावली का पर्व रहेगा। इसी के साथ कार्तिक स्नान पूर्ण हो जाता है ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

चाय बागान की जमीन पर शिकंजा

देहरादून। बेशकीमती चाय बागान भूमि को लेकर लम्बे समय से चल रही कानून लड़ाई में उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने फिर से महत्वपूर्ण आदेश दिया है। अधिवक्ता एवं आरटीआई कार्यकर्ता विकेश सिंह नेगी की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने देहरादून के 5 गांवों में सीलिंग के तहत अधिवेष घोषित 29.1784 हेक्टेयर भूमि के निजी व्यक्तियों के बीच किसी भी प्रकार के लेन-देन, बिक्री और हस्तान्तरण पर रोक लगा दी है। अदालत ने सम्बन्धित उप पंजीकरण को भी निर्देश दिया है कि इस भूमि से सम्बन्धित किसी भी विक्रय विलेख अथवा हस्तान्तरण दस्तावेज का पंजीकरण न किया जाए। यह आदेश इसलिए भी महत्वपर्ण है क्योंकि चाय बागान की जमीनों को लेकर विकेश सिंह नेगी की ओर से शुरू की गई कानूनी लड़ाई ने इस पूरे प्रकरण को सार्वजनिक विमर्श और जांच के केन्द्र में ला दिया था।

गोरी-काली के संगम पर ऐतिहासिक मेला

अतीत के धागे बुनते हस्तशिल्पी और वर्तमान की गांठ लगाते कारोबारियों के बीच राजनीति

- उद्घाटन पर खूब हुआ हंगमा, हाथापाई
- क्षेत्र की आवाज नहीं सुनी : विधायक धामी
- मुझे भी निमंत्रण नहीं दिया गया : मयूख महर
- उपेक्षा और दुर्भावना न हो : हरीश रावत
- भाजपा ने विधायक के खिलाफ खोला मोर्चा
- धारचूला, मुनस्यारी, जौलजीबी तक आंच
- 2027 के चुनाव को लेकर तीखे होते नेता

पि.हि.प्रतिनिधि

जौलजीवी। ऐतिहासिक व्यापारिक जौलजीबी मेला इस बार 2027 चुनाव को देखते हुए रणक्षेत्र सा बन गया। मेले की पूरी गरिमा तार-तार हो गई क्योंकि किसी में किसी प्रकार का धैर्य नहीं था। कोई किसी को सुनना नहीं चाहता था तो कोई सुनाने की जिद पर अड़ा था। इस पूरे झगड़े में अतीत के धागे बुनते हस्तशिल्पी और वर्तमान की गांठ लगाते कारोबारियों के बीच राजनीति का जाला लगा हुआ है। गोरी-काली नदियों के संगम स्थल को और ज्यादा सजाने संवारने की बात के बजाय 'जिन्दाबाद मुर्दाबाद' के नारों से मालौह अशान्त हुआ है।

मेले के उद्घाटन अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का भव्य स्वागत किया गया। मंच पर विधायक हरीश धामी ने उन्हें शॉल ओढ़ाकर अभिनन्द किया। सबकुद सरल और तरल दिखाई दे रहा था किन्तु मनमुटाव कितना गहरा है इसे प्रशासन जानता था। तभी भारी संख्या में पुलिस बल तैनात था और किसी प्रकार उद्घाटन समारोह सही सलामत होने का इन्तजार किया जा रहा था। प्रदेश के मुखिया पुष्कर धामी ने अपने सम्बोधन के बाद जाने की तैयारी की। विधायक हरीश धामी जो कि समारोह की अध्यक्षता कर रहे थे, चाहते थे कि वह अपनी भड़ास सीएम के समक्ष निकाल सकें। सीएम और विधायक के इस गहरे भीतरी सुर को भांपते हुए आयोजक भी चिन्ता में थे परन्तु क्या जो करते? सीएम विधायक की बात सुने बिना जाने लगे और विधायक मंच से गरजे तभी किसी ने माइक बन्द कर दिया। इस बात को लेकर विधायक और उनके कांग्रेसी कार्यकर्ता भड़क गये। माइक पटक, तोड़ फोड़, आपसी हाथापाई शुरू हो गई। इसके बाद नाराज विधायक ने मंच से लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वह धाकड़ कहे जाने वाले धामी चले गये। क्षेत्र की समस्याओं को सुने बिना जाना इस क्षेत्र का अपमान है।

विधायक धामी और समर्थकों के हंगामे के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किया। वीरेन्द्रानन्द, प्रदीप पाल सहित तमाम नेताओं ने विधायक के कृत्यों पर रोष जताते हुए उन्हें सबक सिखाने की बात कही। मेले का पूरा रंग सियासत के हवाले हो गया। पिथौरागढ़ के विधायक मयूख महर ने हरीश धामी का समर्थन करते हुए कहा कि उनकी बात सुननी चाहिये थी। इस आयोजन का मुझ भी निमंत्रण नहीं दिया गया, जो भेदभाव है। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पक्ष रखते हुए कहा कि मेले में इस प्रकार की उपेक्षा और दुर्भावना नहीं होनी चाहिये थी। नेता प्रतिपक्ष करन माहरा ने कहा कि जौलजीबी मेले की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक को न सुना जाना मुख्यमंत्री की ओर से बड़ी चूक है। विधायक सुमित हृदयेश कहते हैं कि अध्यक्षता कर रहे विधायक को ही न बोलने देना गलत है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट मामले में कहते हैं कि चुनाव से पहले कांग्रेस का असली चेहरा सामने आ चुका है। सांसद अजय भट्ट का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को इस तरह का अमर्यादित व्यवहार नहीं करना चाहिये। दायित्वधारी गणेश भण्डारी कह रहे हैं कि हरीश धामी अपनी बौखलाहट का हंगामा करने लगे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष गिरीश जोशी कहते हैं कि भाजपा ने भ्रष्टाचारियों को सबक सिखाया है। यही कारण है कि विधायक सीएम और सरकार की खिलाफत कर रहे हैं।

इसके अलावा भी कांग्रेस-भाजपा के सभी छोटे-बड़े नेताओं ने अपनी ओर से मोर्चा संभाल दिया है। 2027 के चुनाव को लेकर तीखे होते नेताओं का असर जौलजीबी के सद्भाव पर न हो इसके लिये बुद्धिजीवी मंथन कर रहे हैं। यह तो यह है कि विधानसभा चुनाव अति सम्वेदनशील रास्ते से गुजरेगा।

अनुभव और निवेश से संवरेगा उत्तराखण्ड

तीस प्रवासियों ने गोद लिए अपने गांव, तीसरा प्रवासी सम्मेलन

देहरादून। उत्तराखण्ड के विकास को नई गति देने के लिए अब प्रवासियों के अनुभव, तकनीकी ज्ञान और आर्थिक सामर्थ्य को प्रदेश से जोड़ने की पहल तेज होगी। मुख्मयंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दून विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरे प्रवासी उत्तराखण्डी सम्मेलन में प्रवासियों से अपने पैतृक गांवों के विकास में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान करते हुए यह बात कही।

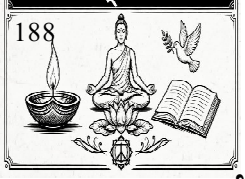
तीसरे प्रवासी सम्मेलन में तीस प्रवासियों ने अपने गांव गोद लेने की घोषणा की और कहा कि अपने गांव, सांस्कृतिक विरासत से राज्य की विशिष्ट पहचान है। पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल ने प्रदेश की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को राज्य की विशिष्ट पहचान बताया। पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी ने कहा कि राज्य गठन के समय दूरस्थ गांवों तक पहुंचना मुश्किल था, लेकिन आज सड़क सुविधाओं का विस्तार हुआ है। विधायक विनोद चमोली ने प्रवासियों से अपने पैतृक गांवों में घर बनाने और गांवों से जुड़ाव रखने की अपील की। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने प्रवासी उत्तराखण्डियों को राज्य का ब्राण्ड एम्बेसडर बताते हुए कहा कि उनके निवेश, तकनीकी ज्ञान और उद्यमशीलता से विकसित उत्तराखण्ड के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

गैरसैंण की मांग को लेकर आन्दोलन जारी

पूर्व आईएस विनोद रतूड़ी बैठे अनशन पर, एकजुटता की अपील

हल्द्वानी। राजधानी गैरसैंण की मांग को लेकर बुद्ध पार्क में आन्दोलन को पूर्व आईएएस विनोद प्रसाद रतूड़ी ने भी समर्थन दिया है। जारी अनिश्चितकालीन क्रमिक अनशन पर बैठते हुए रतूड़ी ने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य हासिल करने के लिए 43 लोगों ने शहादत दी और करीब एक दशक तक आन्दोलन चला, लेकिन राज्य गठन के वर्षों बाद भी स्थायी राजधानी का सवाल अनसुलझा है। राज्य वासियों को अपने अधिकारों और पहाड़ के भविष्य के लिए फिर एकजुट होने की जरूरत है। हल्द्वानी के बुद्ध पार्क में 18 अक्टूबर को शुरू हुए आन्दोलन में प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से लोग आकर समर्थन दे रहे हैं। इसके तहत जनजागरूकता रैली भी निकाली गई। आन्दोलनकारियों का कहना है कि यह संघर्ष केवल राजधानी का सवाल नहीं बल्कि पहाड़ के अस्तित्व का, अस्मिता और संस्कृति से भी जुड़ा है। आन्दोलनकारियों में प्रेमा मेर, गोपाल दत्त कुमेड़ी, हरीश रावत, महेश तिवारी, देवेन्द्र सालाकोटी, ज्योतिष्णा पाण्डे, विनोद घिड़याल सहित बड़ी संख्या है।

सम्यक् विचार



राजा का प्रधानकार्य न्याय

कोई भी राजा न्याय करने और प्रजा की सुरक्षा करने से ही इतिहासप्रसिद्ध होता है। अन्य किसी भी कार्य से राजा महान नहीं होता। कोई भी राजा न तो राजधानी ट्रेन चलाने से महान होता है और न ही वन्दे भारत ट्रेन चलाने से महान होता है। राजा न तो इमरजेंसी लगाकर नसबन्दी करने से महान होता है और न ही प्रजा पर अत्यधिक टैक्स लगाने से महान होता है। न ही कोई राजा सबसे ऊँचा पुल बनाने से महान होता है, न ही सबसे ऊँची मूर्ति बनाने से महान होता है, न ही चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनाने से महान होता है, न ही नदियों पर बड़े-बड़े बांध बनाने से कोई महान होता है। न ही कोई सादगी से महान होता है और न ही बड़े-बड़े तामझाम से। कोई भी राजा न तो गली-गली में मोहल्ला क्लीनिक खोलने से महान होता है और न ही शिक्षा और चिकित्सा को फ्री करने से महान होता है। न तो कोई राजा आरक्षण लागू करने से महान होता है, न ही फ्री में गेहूं चावल बांटने से महान होता है और न ही कोई राजा बेरोजगारी भत्ता, विधवा भत्ता, बुढ़ापा भत्ता आदि बांटने से महान होता है ।

राजा का कार्य पेट्रोल डीजल आदि बेचना भी नहीं है। चीनी बेचना, दारू बेचना, दवाई बेचना, मकान बनाकर बेचना, ट्रेनें चलाना, हवाई जहाज चलाना, बसें चलाना, इंडस्ट्रीज खोलना, सड़कें बनाना, स्कूल खोलना, इलाज करना, ये सब कार्य भी राजा के नहीं हैं। ये सभी कार्य तो देश के महान वैज्ञानिक, डाक्टर, इंजीनियर, उद्योगपति, व्यवसायी, शिक्षाविद्, पूंजीपति, दानदाता, समाजसेवी लोग स्वयं ही करते हैं ।

राजा का कार्य तो केवल न्याय करना होता है, किसी भी व्यक्ति पर अन्याय न होने पाए । इतिहास में राजा राम, युधिष्ठिर, विक्रमादित्य, राजा भोज, छत्रपति शिवाजी आदि जो राजा महान माने जाते हैं वे वास्तव में न्यायप्रियता के कारण ही महान हैं। **-ओंकार नाथ कोष्टा**

जौनपुर महोत्सव में सीएम ने दी सौगात

टिहरी। जौनपुर महोत्सव में मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी ने क्षेत्रवासियों को सौगात दी। टिहरी झील के आसपास 1300 करोड़ की विकास योजनाओं की सौगात के साथ ही थत्यूड़ सीएचसी उप जिला चिकित्सालय बनाने की घोषणा हुई। इससे पूर्व महोत्सव में लोक संस्कृति के दर्शन हुए और लोगों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी के अलावा आयोजन के दौरान लगाये गये स्टालों का उत्साह बढ़ाया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सैलानियों की आवत बढ़ी है

नैनीताल। जिला पर्यटन अधिकारी कीर्ति चन्द्र आर्य ने बताया है कि साहसिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में सैलानियों ेक आवत बढ़ी है। सबसे ज्यादा पिथौरागढ़ में इसका असर है। चम्पावत, रानीखेत, कौसानी, बागेश्वर में थोड़ा बहुत असर हुआ है। नैनीताल में तीन लाख सैलानी इस बार बढ़े हैं।

राजीव नयन का भेंटघाट अभियान

अल्मोड़ा/हल्द्वानी। चिपको आन्दोलन के वरिष्ठ नेता एवं पत्रकार राजीव नयन बहुगुणा ने विभिन्न शहरों में भेंटघाट अभियान चलाते हुए अपने पुराने साथियों से मुलाकात की और अपनी नव लिखित पुस्तक भेंट की। इस दौरान पुराने आन्दोलन कारी दिनों की यादें साझा की गई और उत्तराखण्ड के जंगलों, पर्यावरण, प्राकृतिक संसाधनों तथा जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।

बनकोट शरदोत्सव में झूमे

गंगोलीहाट। बनकोट में मनाये गये शरदोत्सव में कलाकार झूमे और सांस्कृतिक दलों ने जनता का मनोरंजन किया। स्थानीय स्कूलों के बच्चों की प्रतियोगिता के अलावा लोक कलाकारों को प्रोत्साहित करने के लिये आयोजन समिति ने बेहतर प्रयास किया था।

मुवानी घसाड़ महोत्सव

पिथौरागढ़। मुवानी घसाड़ महोत्सव में लोक संस्कृति के रंग दिखाई दिये। जिला पंचायत सदस्य कमल कन्याल ने इसका शुभारम्भ किया। स्थानीय कलाकारों और स्कूली बच्चों ने अपनी मंचीय प्रस्तुतियों से ताली बटोरी।

हिंगला देवी मंदिर सौन्दर्यीकरण

चम्पावत। प्रसिद्ध हिंगलर देवी मन्दिर के सौन्दर्यीकरण एवं अवस्थापनाविकास के क्रियान्वयन के तहत शासन ने चालू वित्तीय वर्ष में 48.41 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। डीएम मनीष कुमार ने बताया कि शासन से प्राप्त यह बजट मन्दिर परिसर हेतु सुविधाओं को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा।

कैंची क्षेत्र में फिर से जाम ही जाम

नैनीताल। कैंची मन्दिर क्षेत्र के पास जाम से हालात बेहाल हैं। भवाली अल्मोड़ा मुख्य मार्ग पर यातायात नियन्त्रण करने में पुलिस व प्रशासन फेल दिखाई दे रहा है। बीच में कुछ दिनों तक यातायात व्यवस्था में नियन्त्रण से राहत दिखाई दी थी लेकिन फिर से जाम के कारण यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा काठगोदाम, सलड़ी, भीमताल, भवाली में जाम लग रहा है।

परिक्रमा



फचैऽक

असौज में कैकैं न्हां फुरसत, खुट खा्ब ऐ जानी पहाड़न में घापात सिमरण में जुटी छौं, काम आ्ल य ह्यून जाड़न में काम आ्ल य ह्यून जाडन् में, अच्यानों देखीनई लुटै लुट पाणि पिणकि लै फुरसत कां छू, बुति धाणिक भै चुटै चुट छां फनै हैरूं को लगूं ल्याख, बौड़ि ब्वारिनकि यो मसकत चुटण चाटण घाम सुखूण भै, असौज में कैकैं न्हां फुरसत।

गणेश पाण्डेय

व्यास घाटी के बाद अब जोहार घाटी में दो नए ट्रेकिंग रूट पर्यटन नक्शे पर

पिथौरागढ़। चीन सीमा से लगी उच्च हिमालयी व्यास घाटी में आदि कैलास और ओम पर्वत के बाद अब जोहार घाटी के दो नए ट्रेकिंग रूट शीघ्र पर्यटन नक्शे पर उभरेंगे। आदि कैलास की तरह ही हरदेवल तला तक जाना आसान हो सकेगा, जहाँ 500 मीटर लम्बी हरदेवल ताल में हिमाच्छादित पर्वत चोटियों के प्रतिबिम्ब एक साथ दिखाई देते हैं। इस स्थान पर साईपोलू सहित आसपास के गाँवों के लोग हरदेवल देवता की पूजा करते रहे हैं।

उत्तराखण्ड में साहसिक पर्यटन को नई पहचान देने और इस प्रकार के क्षेत्रों को पर्यटन मानचित्र पर लाने की दिशा में पर्यटन विभाग की यह महत्वपूर्ण पहल है। इसके अन्तर्गत सीमान्त घाटी में लास्पा गाँव से शालंग घाटी को जोड़ने के लिये रैकी एवं खोज अभियान भी किया गया, जिसमें कासमास ट्रेक की 9 सदस्यीय टीम पर्वतारोही सुरेन्द्र सिंह पंवार के नेतृत्व में लास्पा से शालंग घाटी तक एक नए उच्च हिमालयी ट्रेकिंग मार्ग की सम्भावनाओं का अध्ययन कर रही है।

इस दौरान दल बर्फीली ढलानों, दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों को पार करते हुए शालंग घाटी तक पहुंचने की सम्भावनाओं का पता लगाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य दोनों घाटियों को जोड़ने वाले सुरक्षित और व्यावहारिक ट्रेकिंग मार्ग की पहचान करना है। अभियान के दौरान मार्ग की जीपीएस आधारित भौगोलिक स्थिति, बर्फ की परिस्थिति, सम्भावित कैम्प साइट, जलस्रोत, ऊँचाई तथा सुरक्षा सम्बन्धी चुनातियों का विस्तृत अध्ययन कर सुझावों की रिपोर्ट पर्यटन विभाग को दी जाएगी।

ऐतिहासिक बग्वाल मेला सम्पन्न

द्वाराहाट/रानीखेत। बग्वालीपोखर में तीन दिवसीय ऐतिहासिक बग्वाल मेला परम्परागत तरीके से सम्पन्न हुआ। इसमें नवयुवाओं को जोड़ने के लिये सांस्कृतिक प्रदर्शन भी जोड़े गये थे।

बग्वालीपोखर में स्थानीय विद्यालयों व लोक कलाकारों ने मंच पर अपनी रंगारंग प्रस्तुति देकर मनोरंजन किया। इससे पूर्व पोखर स्थल में वर्षों से चली रही परम्परा अनुसार ओड़ा भेटने की रश्म की गई, जिसमें इलाके के बुजुर्गवार व सभी उपस्थित रहे। शहीद स्थल पर विधायक मदन सिंह बिष्ट द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। सांस्कृतिक मंच पर क्षेत्रीय प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर दर्जा मंत्री शिव सिंह बिष्ट ने कहा कि नई पीढ़ी पौराणिक मेले को नए प्रयोगों से बेहतर बनाने का कार्य कर रही है। मेले में आने वालों की सुविधा व सुरक्षा के लिए प्रशासन सतर्क रहा। आपसी तालमेल से इस प्रकार के आयोजनों में सभी को सहयोग करना चाहिये।

आयोजन के दौरान आगामी मेलों के लिये बग्वालीपोखर में वृहद उपयुक्त मेला स्थल तलाश की भी चर्चा हुई। मेले में समिति के अध्यक्ष सूबेदार मे. हरीश सिंह भण्डारी, सचिव प्रमोद जोशी, पूर्व विधायक महेश नेगी, भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अनिल शाही, डॉ. दीपक मेहता, रमेश नेगी, बलवीर भण्डारी, विनोद अधिकारी, त्रिभुवन बिष्ट, आशुतोष शाही, चन्द्रशेखर त्रिपाठी, मनोहर भण्डारी, कुन्दन भण्डारी मौजदू थे।

फर्जी प्रमाणपत्रों से बना प्रोफेसर पकड़ा

पौड़ी। फर्जी एवं कूटरचित शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के आधार पर सरकारी महाविद्यल में में नियुक्ति प्राप्त करने के मामले में पौड़ी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। गुरु गोरखनाथ राजकीय महाविद्यालय विथ्याणी, यमकेश्वर में कार्यरत असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. उमेश त्यागी को पुलिस ने गाजियाबाद से गिरफ्तार किया। 40 वर्षीय उमेश त्यागी को पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बताया जाता है कि महाविद्यालय के प्राचार्य की शिकायत पर मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस के अनुसार प्राचार्य ने थाना यमकेश्वर में रिपोर्ट करवाते हुए कालेज में कार्यरत असि. प्रोफेसर उमेश त्यागी के खिलाफ कार्रवाई को कहा। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उन्होंने जाली एवं कूटरचित प्रमाणपत्रों के आधार पर नियुक्ति प्राप्त की है।

इस शिकायत के आधार पर थाना यमकेश्वर में मामला दर्ज हुआ और एसएसपी के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने कार्रवाई की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी सर्वेश पंवार ने तत्काल संज्ञान लेते हुए निष्पक्ष एवं प्रभावी विवेचना के निर्देश दिए। इसके बाद अपर पुलिस पुलिस अधीक्षक कोटद्वार मनोज कुमार ठाकुर और क्षेत्राधिकारी श्रीनगर तपेश कुमार के निकट पर्यवेक्षण में तथा थानाध्यक्ष यमकेश्वर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गहन जांच करते हुए आरोपी के सम्बन्ध में जानकारी और साक्ष्य जुटाई। 12 नवम्बर को त्यागी को गाजियाबाद से पकड़कर न्यायालय में पेश किया गया। मुरादनगर, यूपी के रहने वाले उक्त असि.प्रोफेसर का वर्तमान पता बादलपुर, जिला गौतमबुद्ध (नोएडा) यूपी है। पौड़ी पुलिस की इस कार्रवाई को सरकारी नियुक्तियों में प्रमाण पत्रों की सत्यता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अ.भा.वि.परिषद ने संभलते हुए दुष्कर्मी को सजा देने की मांग दोहराई है

हल्द्वानी/देहरादून। एमबीपीजी कालेज हल्द्वानी में छात्र संघ प्रत्याशी के रूप में खड़े हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेता धीरज बिष्ट सहित चार युवकों को नाबालिक युवती के दुष्कर्म में पकड़े जाने से संगठन की एक बार फिर से किरकिरी हुई है। ऐसे में संगठन ने संभलते हुए दुष्कर्मी को सजा देने की मांग दोहराते हुए जगह-जगह प्रदर्शन किये हैं। संगठन नेताओं का कहना है कि वह किसी भी गलत व्यक्ति को संरक्षण नहीं देते। दुष्कर्म मामले में जो भी दोषी हैं उन्हें सख्त सजा मिले।

बताते चलें कि छात्र संघ चुनाव के दौरान भारी विरोध के बाद भी संगठन ने बिष्ट को अपना प्रत्याशी बनाया और इनके पक्ष में बड़े नेता खुलकर दिखाई दिये लेकिन संगठन से बगावत करने वाले आर्यन बेलवाल की जीत हुई। उस समय भी आरोप लग रहे थे कि परिषद जिसे टिकट दे रही है वह आईटीआई गैंग से जुड़ा हुआ है। अब दुष्कर्म घटना के बाद पूरे विपक्ष को बड़ा मुद्दा मिल गया है कि अपराधी को संरक्षण रहा है।

चुनाव ड्यूटी के साथ हलचल तेज

अल्मोड़ा। आगामी विधानसभा चुनाव के लिये कार्मिकों की ड्यूटी के साथ ही हलचल तेज है। ऐसे में अनुमान है कि किसी भी समय चुनाव होने हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय की ओर से जोनल, सेक्टर मेजिस्ट्रेट ड्यूटी वितरण के साथ ही अन्य तैयारियों में तेजी दिखाई दे रही है। यह भी साफ हो गया है कि प्रशासन चुनाव मामले में किसी भी तरह की तैयारी पहले से कर लेना चाहता है।

राम सिंह धौनी की के स्मरण में समारोह

अल्मोड़ा। देश को 'जय हिन्द' का नारा देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. राम सिंह धौनी की 96वीं पुण्यतिथि पर जिला पंचायत परिसर में स्मरण किया गया। मुख्य अतिथि दायित्वधारी गोविन्द सिंह पिलख्वाल ने धौनी के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए समिति की मांग के अनुरूप उनकी जीवनी को पाठ्यकम में शामिल कराने, फ्रूट काफ्ट संस्थान का नाम उनके पर पर रखने के लिये हर सम्भव प्रयास की बात कही।

गुच्चूपानी को पर्यटन हब बनाएंगे

देहरादून। प्रसिद्ध पर्यटन स्थल रॉबर्स केव (गुच्चूपानी) को पर्यटन हब बनाने की तैयारी ळै। इसके लिये प्रस्ताव को जल्द मंजूरी दिलाने पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केन्द्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। नई दिल्ली में इस भेंट में श्री जोशी ने गुच्चूपानी के सौन्दर्यीकरण, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और पर्यटकों के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं विकसित करने का प्रस्ताव रखा।

मंदाकिनी शरदोत्सव में विवाद हुआ

रुद्रप्रयाग। अगस्त्यमुनि के खेल मैदान में आयोजित 5 दिवसीय शरदोत्सव एवं कृषि औद्योगिकी विकास मेले पर विवाद देखने को मिला। विवाद पर मेला समिति के सचिव रमेश बेंजवाल का कहना है कि आपसी गलतफहमी से यह सब हुआ। पहले दिन कार्यों के अधिक दबाव के चलते अध्यक्ष से आवेश में कुछ गलत बातें निकल गईं, जिसकी समिति निन्दा करती है। साथ ही इस प्रकरण पर अध्यक्ष द्वारा सार्वजनिक रूप से माफी भी मांग ली है।

फर्जी प्रमाण पत्र पर बनी प्रधान को हटाया

जसपुर। डीएम नितिन भदौरिया ने ग्राम पंचायत कलियावाला की प्रधान बलजीत कौर को पद से हटा दिया है। बलजीत कौर पर गलत जाति प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षित सीट से चुनाव लड़ने और नामांकन में मिथ्या घोषणापत्र प्रस्तुत करने का आरोप सिद्ध हुआ है। इसके बाद उप प्रधान तरनजीत कौर को यह जिम्मेदारी मिली है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

मिलम बेक हाउस
(नियर - टैक्सी स्टैंड चौराहा) मुन्स्यारी
पहाड़ों में तैयार, स्वाद से भरपूर।
हिमालय की वादियों से आपके स्वाद तक।
आपके लिये लेकर आया है ताजे, स्वादिष्ट और गुणवत्तापूर्ण बेकरी उत्पाद।
सम्पर्क - 8941807388

सुरेश मेडिकल स्टोर
नियर- टैक्सी स्टैंड, मदकोट रोड़, मुन्स्यारी
सभी प्रकार की दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध
विश्वसनीय सेवा - आपकी सेहत, हमारी प्राथमिकता
मो.- 8077929044, 9756822576

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
शुद्ध ऊनी शॉल, स्वेटर, टोपी, मफलर, कालीन, हस्तशिल्प सामान उचित मूल्य पर उपलब्ध
मुन्स्यारी की प्रसिद्ध हस्तशिल्प व ऊनी वस्त्रों का भरोसेमंद केंद्र
मो.- 8755116161, 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

हरि प्रदर्शनी : लोक संस्कृति, परम्परा, स्वरोजगार और ग्रामीण प्रतिभाओं का उत्सव

प्रेम सिंह जंगपांगी

हिमालय की गोद में बसे मल्ला दुम्मर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली ऐतिहासिक श्री हरि प्रदर्शनी का तीन दिवसीय आयोजन इस बार भी हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ हुआ। यह आयोजन केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि जोहार क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति, परम्पराओं, सामाजिक एकता, स्थानीय प्रतिभाओं, कृषि एवं ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है।

वर्ष 1953 में प्रारम्भ हुई इस प्रदर्शनी ने सात दशकों से अधिक की यात्रा पूरी करते हुए क्षेत्र की सांस्कृतिक एवं सामाजिक पहचान के रूप में अपनी विशिष्ट जगह बनाई है। इस वर्ष के आयोजन में ग्रामीणों, महिला मंगल दलों, स्थानीय कलाकारों, विद्यार्थियों, काश्तकारों, उद्यमियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। हरि प्रदर्शनी की सांस्कृतिक संध्या के शुभारम्भ के बाद महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर ने देशभक्ति गीत 'तिरंगा झण्डा' पर आकर्षक प्रस्तुति दी। नन्हीं कलाकार दिव्यांशी नितवाल ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर की महिलाओं, जिनमें श्रीमती कमला जंगपांगी ने भी सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया। स्व. गोविंद सिंह पंचपाल द्वारा रचित लोकप्रिय गीत 'स्वर्ग तारा जूनाली रात' पर महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर ने सामूहिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब वाहवाही बटोरी। नन्हीं कलाकार खुशी जंगपांगी पुत्री श्री ईश्वर सिंह, ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया।

धीरज जंगपांगी ने समिति की कार्यप्रणाली एवं संगठनात्मक गतिविधियों की ओर ध्यान आकर्षित किया। महिला मंगल दल तल्ला दुम्मर ने समूह नृत्य प्रस्तुत किया। नन्हीं कलाकार दिव्यांशी आर्या ने एकल नृत्य से दर्शकों का मनोरंजन किया। महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर ने नन्दा-सुनन्दा के पौराणिक जागर एवं पोणा गीत पर पारम्परिक नृत्य प्रस्तुत किया। बेटी, मां और बहुओं की सामूहिक भागीदारी ने इस प्रस्तुति को विशेष आकर्षण प्रदान किया। इसके अतिरिक्त 'दूर आसमान को तारा' गीत पर खुशाल राम एवं उनकी पत्नी जीवन्ती देवी ने युगल नृत्य प्रस्तुत किया। राजकीय जूनियर हाई स्कूल दुम्मर की छात्राओं ने भी सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। श्रीमती पुष्पा देवी पत्नी गोकर्ण सिंह जंगपांगी ने स्व. गोविन्द सिंह पंचपाल द्वारा रचित पुराने लोकप्रिय गीत 'डेली थे कावा कै की बसासा छ' की प्रस्तुति दी।

प्रदर्शनी के द्वितीय दिवस पर शैक्षिक, सामाजिक एवं उद्यमिता गतिविधियां हुई। प्रात:काल राजकीय प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल दुम्मर के विद्यार्थियों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई। इसके पश्चात ललित सिंह जंगपांगी, हयात सिंह कार्की एवं समिति के अध्यक्ष किशन सिंह जंगपांगी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। राष्ट्रगान के उपरान्त स्कूली बच्चों ने आकर्षक पीटी प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया।

प्रदर्शनी का विधिवत उद्घाटन खण्ड विकास अधिकारी सुश्री नेहा कुमारी एवं केदार सिंह मर्तोलिया अध्यक्ष जोहार क्लब मुनस्यारी द्वारा स्व. हरि सिंह जंगपांगी की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर किया गया। उन्होंने प्रदर्शनी में लगे विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया तथा स्थानीय उत्पादों, महिला समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों के प्रयासों की सराहना की।

पिछले वर्षों की भांति इस वर्ष भी मुनस्यारी क्षेत्र में कार्यरत महिला स्वयं सहायता समूहों एवं कृषि उद्यमियों को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। जिसमें क्रमश: सरस्वती समूह, नानासेम श्रीमती नेहा पांगती। देवी मां समूह, घोरपट्टा श्रीमती खिला गनघरिया। शिव पार्वती समूह, तल्लाघोरपट्टा श्रीमती बबिता देवी। वैभव लक्ष्मी समूह, नानासेम श्रीमती नीता निखुर्पा। इसी प्रकार कृषि उद्यमी सम्मानित किये गये, जिसमें बलवन्त सिंह जेष्टा, तल्ला घोरपट्टा। गोप सिंह इमलाल पुत्र स्व. जोगा सिंह ग्राम इमला थे। इन सम्मान समारोहों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार, कृषि, महिला सशक्तीकरण एवं सामूहिक उद्यमिता को प्रोत्साहित करना रहा।

इस अवसर पर एक विशेष सराहनीय पहल के अन्तर्गत श्रीमती चित्रा जंगपांगी मर्तोलिया, उप महाप्रबन्धक, बीएचइएल नई दिल्ली, पुत्री सत्यवान सिंह जंगपांगी ने अपनी माता स्व. श्रीमती राधा जंगपांगी की पुण्य स्मृति में मल्ला दुम्मर के हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट स्तर पर अध्ययनरत मेधावी विद्यार्थियों को आर्थिक सहयोग प्रदान किया। श्री हरि स्मारक समिति के माध्यम से इस वर्ष निम्नलिखित विद्यार्थियों को 2500-2500 की सहायता राशि प्रदान की गई। जिसमें हिमानी कार्की, पुत्री गणेश कार्की मल्ला दुम्मर, कार्तिक सिंह बृजवाल, पुत्र पंकज सिंह बृजवाल तल्ला दुम्मर।

खेल गतिविधियों के अन्तर्गत स्व. नरसिंह जंगपांगी स्मृति वालीबाल प्रतियोगिता



- महिला स्वयं सहायता समूह सम्मानित
- कृषि उद्यमी जेष्टा व इमलाल का सम्मान
- स्व. राधा जंगपांगी की स्मृति में मेधावी सम्मान
- नरसिंह स्मृति वालीबाल में सरमोली टीम विजेता
- हयात सिंह-आनन्दी देवी स्मृति झांकी प्रतियोगिता
- स्व. देवेन्द्र सिंह जंगपांगी स्मृति दुस्का प्रतियोगिता
- अब 'प्लैटिनम जुबली' की ओर कदम

आयोजित की गई। इसमें कुल 11 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में सरमोली की टीम प्रथम तथा जैती की टीम द्वितीय स्थान पर रही। श्री हरि प्रदर्शनी का एक प्रमुख एवं सदाबहार आकर्षण झांकी प्रतियोगिता रही है। इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के ग्रामीणों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया जाता रहा है। इसके माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध लोक संस्कृति, पारम्परिक वेशभूषा, लोकवाद्य यन्त्रों एवं लोकनृत्यों का सुन्दर प्रदर्शन देखने को मिलता है।

इस वर्ष भी झांकी प्रतियोगिता का आयोजन भरत सिंह रावत द्वारा अपने नाना स्व. हयात सिंह जंगपांगी एवं नानी स्व. श्रीमती आनन्दी देवी की पावन स्मृति में किया गया। क्षेत्र के कुछ ग्रामों में घटित दु:खद घटनाओं के कारण इस वर्ष प्रतियोगिता में अपेक्षाकृत कम ग्रामों की सहभागिता रही। इसके बावजूद दो-तीन ग्रामों के प्रतिभागियों ने अपनी पारम्परिक जोहारी वेशभूषा, पारम्परिक वाद्य यंत्रों, ढोल- दमाऊ एवं छोलिया नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियों से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। इन प्रस्तुतियों ने न केवल क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को जीवन्त किया, बल्कि उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन भी किया। प्रतियोगिता के अन्त में मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागी ग्रामों की झांकियों को सम्मानित किया गया। दुस्का प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। इस प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. देव सिंह जंगपांगी द्वारा अपने अग्रज एवं बड़े भाई स्व. देवेन्द्र सिंह जंगपांगी की पुण्य स्मृति में किया गया। इस वर्ष प्रतियोगिता में क्षेत्र के पाँच ग्रामों के ग्रामीण महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागी पारम्परिक जोहारी वेशभूषा में सुसज्जित होकर अपनी सांस्कृतिक परम्पराओं के अनुरूप लोकगीतों एवं दुस्का लोकनृत्य की प्रस्तुतियाँ लेकर उपस्थित हुए। सामूहिक प्रस्तुतियों में जोहारी लोकसंस्कृति की विशिष्ट झलक देखने को मिली। पारम्परिक लोकगीतों की मधुर धुनों और लोकनृत्य की लयबद्ध प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि द्वारा सभी प्रतिभागी ग्रामों एवं प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

लक्ष्मण सिंह पांगती लछुबू द्वारा अपनी मातृभाषा एवं सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित रखने के उद्देश्य से जोहारी भाषा में प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें- प्रथम राजेन्द्र सिंह बृजवाल, द्वितीय भरत सिंह लसपाल, तृतीय हीरा सिंह पांगती रहे। इसके अतिरिद्र विद्यार्थियों की पेंटिंग प्रतियोगिता(जूनियर वर्ग) में प्रथम शौर्य नितवाल दुम्मर, द्वितीय लक्ष्य दुम्मर, तृतीय हर्षित कुमार कीमचोर। सीनियर वर्ग में प्रथम दिव्यांशी जंगपांगी मरथोमा,
द्वितीय प्रथितोरा जंगपांगी, हर्षित भण्डारी, दुम्मर रहे जबकि निबन्ध प्रतियोगिता (अंग्रेजी माध्यम) में प्रथम गुंजन बरफाल, वीरशिवा, द्वितीय दिव्यांशी रावत मरथोमा, तृतीय शौम्या, मरथोमा। निबन्ध प्रतियोगिता (हिन्दी माध्यम)में प्रथम हर्षिता भण्डारी दुम्मर, द्वितीय यश दुम्मर, तृतीय अंशु मरथोमा पब्लिक स्कूल रहे। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता (सीनियर वर्ग) में प्रथम मनीषा एकलव्य स्कूल कक्षा, द्वितीय अर्पिता कोरंगा मरथोमा, कक्षा 9, तृतीय गुंजन बरफाल, कक्षा 8 रहे।

दूसरे दिन की सांस्कृतिक संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में धारचूला-मुनस्यारी के विधायक हरीश धामी की पत्नी श्रीमती गीता धामी की गरिमामयी उपस्थिति रही। उन्होंने अपने सम्बोधन मे श्री स्मारक समिति द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र को विधायक श्री हरीश धामी को सुपुर्द करते हुए समिति के द्वारा इंगित समस्याओ का समाधान कराने का आश्वासन भी दिया। चन्द्र प्रकाश ने 'ज्वार मुनस्यार' का सुन्दर गीत प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर ने स्व. नेत्र सिंह ल्वाल द्वारा रचित एक ऐतिहासिक एवं भावनात्मक गीत 'हुंदेश जाना बंद हेगो आज दिने मा खेत कमासो मन लगोसा धारे ढूंगे मा' प्रस्तुत किया। इस गीत में वर्ष 1962 में चीन-भारत युद्ध के बाद तिब्बत (हूंदेश) के साथ पारम्परिक व्यापार बन्द होने से जोहार क्षेत्र में उत्पन्न आर्थिक संकट एवं उसके सामाजिक प्रभावों को दर्शाया गया। यह प्रस्तुति जोहार के व्यापारिक इतिहास, संघर्ष और सांस्कृतिक स्मृतियों को जीवन्त करने का एक सराहनीय प्रयास रही। ग्राम रांथी की महिलाओं ने प्रसिद्ध प्रेमगाथा राजुला-मालूशाही पर आधारित नाटक का मंचन किया। इस प्रस्तुति ने क्षेत्र की लोकगाथाओं एवं सांस्त्रतिक विरासत को मंच पर साकार किया। प्रदर्शनी के अन्तिम दिन समाज सेवी गंगा सिंह पांगती, धरमघर तथा प्रगतिशील कृषि काश्तकार प्रेम सिंह नेगी ग्राम जोशा की गरिमामयी उपस्थिति रही। महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर द्वारा दुस्का की प्रस्तुति दी गई। नाथ सिंह जंगपांगी ने भी प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगा2 दिए। ग्राम दरकोट की श्रीमती बटुली देवी ने कर्णप्रिय लोकगीत प्रस्तुत किया तथा महिला मंगल दल दरकोट ने दुस्का की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर ग्राम गंगारिया की दो युवा शोधार्थियों कविता मर्तोलिया एवं गरिमा मर्तोलिया की उपस्थिति विशेष उल्लेखनीय रही। कविता मर्तोलिया ने जोहारी भाषा में अपना सम्बोधन दिया। वे पश्चिम एशिया के विषय पर शोध करने के साथ-साथ जोहारी बोली एवं भाषा पर भी कार्य कर रही हैं। वहीं गरिमा मर्तोलिया कुमाऊं विश्वविद्यालय से स्वतंत्रता सेनानियों पर शोध कर रही हैं।

प्रदर्शनी के अन्तिम दिन महिला कुर्सी दौड़ में प्रथम श्रीमती कमला देवी, द्वितीय श्रीमती रोशनी देवी, तृतीय श्रीमती पुष्पा देवी जंगपांगी। महिला चम्मच दौड़ में प्रथम अंजलि, द्वितीय शिवानी, तृतीय हिमानी। महिला रस्साकशी में प्रथम महिला मंगल दल मल्ला दुम्मर, द्वितीय जंगपांगी ध्यानी। पुरुष रस्साकशी में प्रथम विवाहित पुरुष वर्ग, द्वितीय युवा अविवाहित वर्ग रहा। प्रदर्शनी में ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं एवं विभागीय गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाए गए। इनमें प्रमुख रूप से पशुपालन विभाग, कृषि, वन, स्वास्थ विभाग थे। इस प्रकार यह आयोजन अब अपनी 'प्लैटिनम जुबली 2027' एक ऐतिहासिक अवसर की ओर है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

The आत्मा Palace
HOTEL & RESTAURANT
Munsyari
MO- 766681353
theaamapalacehotel@gmail.com
Website- theaamapalacehotel.com

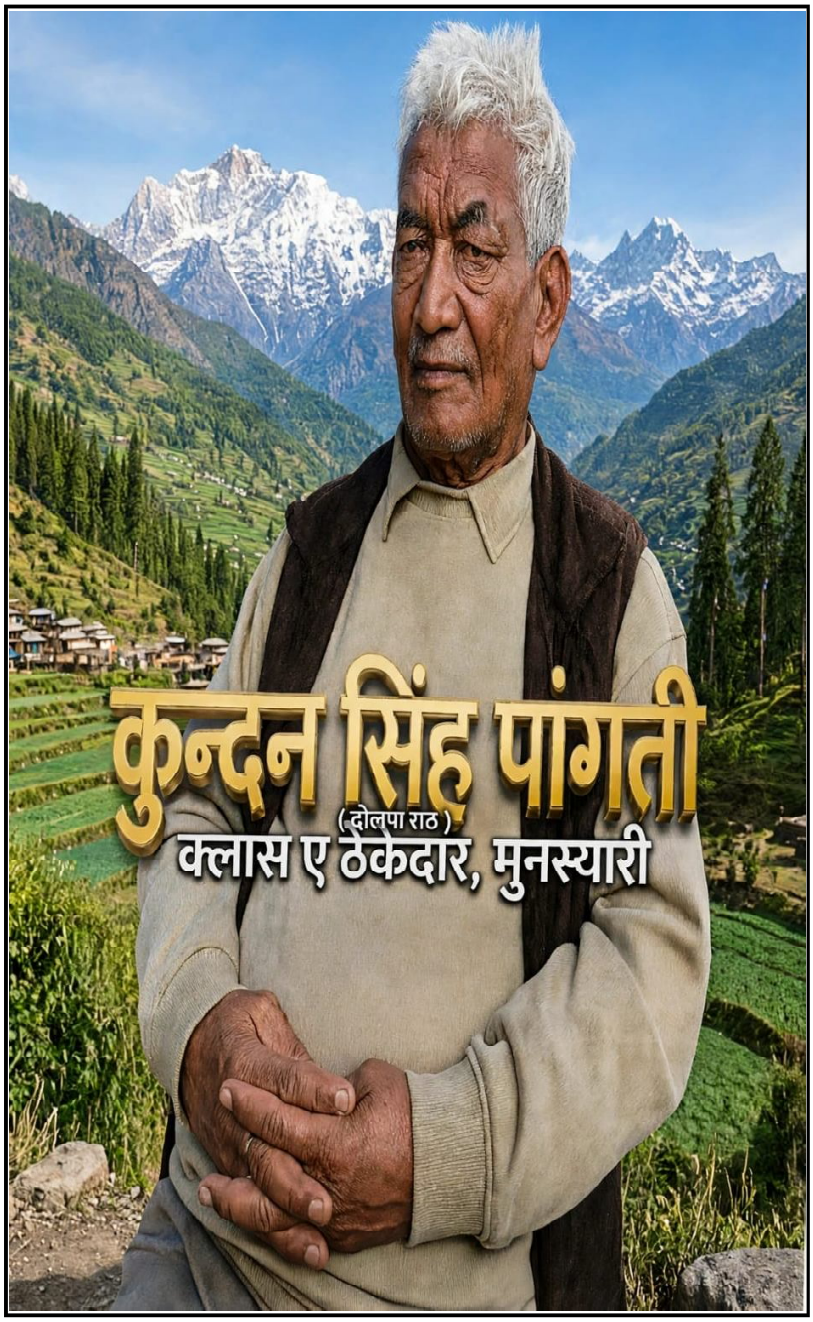
न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगढ़ी, नीलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी
स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
मो. 9458920379
6396098804
YOGA
MEDITATION
HOMELY
FOOD
LIVE
MUSIC
BIRTHDAY
WEDDING

HOTEL
Bala Paradise
Tiksain, Munsyari
Ph. 05961222237, 9412951678

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुन्स्यारी
गणेश सिंह मर्तोलियी एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क - मो.- 8958525979, 05961-222236, 9411134775

HOTEL LAKSHYA INN
Madkot - Munsyari
(साफ-सुथरा माहौल, बेहतरीन सेवा, उचित मूल्य)
सम्पर्क : 89585 96665, 76183 83028

धमोत होम स्टे
धरमघर / चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 | www.mountainheights.in



गौरव सिंह पांगती
(महेन्द्र सिंह पांगती)
वस्त्र विक्रेता
(मुनस्यारी (पिथौरागढ़))

हल्द्वानी मँ तुमार अपण आँखक अस्पताल।
जहाँ आपको मिलता है पलक से पर्दे तक सम्पूर्ण इलाज
अस्पताल में आयुष्मान कार्ड, गोल्डन कार्ड, ECHS कार्ड और सभी स्वास्थ बीमा कार्ड पर कैशलेस इलाज की सुविधा उपलब्ध है
ECHS
शुभान आँखों का अस्पताल
अधिक जानकारी के लिए इन नंबर्स पर संपर्क करें
90681 77738, 9997780135
कोहली टावर, ठंडी सड़क, सिविल लाइंस, हल्द्वानी

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल
9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)